14. अविकारी शब्द (अव्यय)

अ + विकारी अर्थात् जिनमें कोई विकार यानि बदलाव न हो। वे शब्द जिनमें लिंग, वचन, कारक आदि की दृष्टि से कोई परिवर्तन या विकार नहीं होता, अव्यय या अविकारी कहलाते हैं। ये शब्द सदा एक जैसे ही रहते हैं।

शिक्षण-संकेत

- ❖ छात्रों से जानें कि वे अविकारी शब्दों से क्या समझते हैं।
- ❖ अविकारी शब्दों के भेद बताएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ 74 पर दिए क्रियाविशेषण अव्यय वाक्यों के उदाहरणों को छात्रों से पढ़वाएँ तथा उनमें आए क्रियाविशेषण शब्दों से अवगत कराएँ।
- ❖ बताएँ, जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं।
- ❖ बताएँ, क्रिया कब, कहाँ, कैसे या कितनी हुई या हो रही है, यह क्रियाविशेषण से पता चलता है। इसी आधार पर इसके चार भेद किए जाते हैं। क्रियाविशेषण के चारों प्रकार – कालवाचक, स्थानवाचक, रीतिवाचक, परिमाणवाचक क्रियाविशेषण को स्पष्ट रूप से समझाएँ। पृष्ठ 74-75 पर दिए भेदों को पढ़वाएँ तथा समझाएँ।
- ❖ संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक अव्ययों के बारे में समझाते हुए पृष्ठ 76-80 पर दिए वाक्य पढ़ें तथा एक-एक करके सभी भेदों को समझाएँ। इन भेदों के उपभेदों पर भी विस्तार से चर्चा करें।
- ❖ बीच-बीच में भेदों के वाक्यों के उदाहरणों द्वारा सुनिश्चित करें कि छात्रों को आसानी से समझ आ रहा है।
- ❖ पाठ के मौखिक प्रश्नों के उत्तर छात्रों से पूछें।